पाठ 23. भारत-दर्शन

पाठ का उद्देश्य

भारत प्रकृति की गोद में बसा सभ्यता-संस्कृति का अनमोल खजाना है। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को भारत से जुड़ी विशेष जानकारी देना तथा रमणीक स्थलों की सैर कराना है। इस पाठ द्वारा बच्चे प्रकृति के और भी समीप हो पाएँगे।

पाठ का सारांश

भारत की खूबसूरती और संस्कृति के दर्शन कराता हुआ यह पाठ हमें आइजॉल, मोरनी हिल्स, चैल तथा कोटागिरी की सैर कराता है। मिज़ोरम राज्य की राजधानी आइजॉल एक खूबसूरत शहर है। यहाँ डर्टलौंग हिल्स, वनतौंग जलप्रपात, बक्तौंग गाँव आदि देखने लायक जगह हैं। पंचकुला में स्थित मोरनी हिल्स हिमालय की विस्तृत पर्वतमाला का अद्भुत दृश्य प्रकट करता है। यहाँ की खूबसूरत झीलों का सौंदर्य देखते ही बनता है। महाराजा भूपिंदर सिंह ने शिमला के पास चैल को विकसित किया था। चैल अभयारण्य में तरह-तरह की प्रजाति के पेड़ और जानवर भरे पड़े हैं। यहाँ पर बना क्रिकेट का मैदान विश्व प्रसिद्ध है। कोटागिरी का यह नाम कोटा जनजाति के कारण पड़ा है। यह चाय के हरे-भरे बागानों से घिरा हिल स्टेशन है। यहाँ पर कई जलप्रपात देखने लायक हैं। कोडानाड व्यू प्वाइंट से मैसूर की पहाड़ियों और मोयार नदी को देखने का आनंद लिया जा सकता है।

अध्यापन संकेत

पाठ के एक-एक अंश का बच्चों से वाचन करवाएँ। भारत की विशेषताओं से संबंधित कुछ चर्चा करें। पाठ में आए महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझाएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- तुम्हें हमारे देश भारत की सबसे विशेष बात क्या लगती है? अथवा तुम्हारी दृष्टि में हमारे देश की ऐसी कौन-सी विशेषता है जिसे देखने पर्यटक दूर देश से आते हैं।
- क्या सिर्फ़ भारत-भ्रमण द्वारा हम अपने देश की सभ्यता-संस्कृति को समझ सकते हैं? तुम क्या सोचते हो?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।